Lambda-cyhalothrin 4.9% Capsule Suspension

AGENT CAPSULE®

Insecticide

Lambda cyhalothrin 4.9% Capsule Suspension is a capsule suspension formulation wherein the active ingredient is sealed in a tiny thin-walled capsules suspended in water and is released only when the spray deposit dries on the target pest and leaf surface. It is recommended for the control of bollworms in cotton, stem borer & Leaf folder in Paddy, shoot and fruit borer in Brinjal, Fruit borer in Okra & Tomato, Thrips & Flea beetle in Grapes and Thrips & Pod Borer in Chili crops.

Recommendation :

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water (L)	Waiting Period between last spray to harvest (in days)
		AI (g)	Formu-lation (ml)		
Grapes	Thrips & Flea beetle	12.5	250	500-1000	7
Cotton	Bollworms	25	500	500	21
Tomoto	Fruit borer	15.0	300	500	5
Paddy	Stem borer, Leaf Folder	12.5	250	500	15
Brinjal	Shoot & Fruit borer	15.0	300	500	5
Okra	Fruit borer	15.0	300	500	5
Chili	Thrips & Pod borer	25	500	500	5

Direction of use : Method of application and spray equipment : Apply as high volume spray with a Knapsack sprayer fitted with fine-mist nozzle or mist blower.

Precautions : Avoid contact with skin, eyes and mouth during mixing and spraying. Wear protective clothing like apron, gloves, face shield and boots. Wash the affected areas before eating, drinking or smoking. Avoid contamination of environment and water. Avoid contact with treated area until the spray is fully dried.

Symptoms of Poisoning : Ingestion of lambda-cyhalothrin may produce non-specific symptoms such as nausea, vomiting abdominal pain, diarrhoea and allergic manifestations. If larger doses are ingested, it may cause disturbace of the nervous system with tremors, atazia, Weakness of limbs, convulsion, comma and death from respiratory depression. Skin contact may cause subjective sensation or tingling or numbness in the facial area. This effect normally result from unconscious transfer to the face from contaminated hands or gloves. This effect is transcient, lasting upto 24 hours and there is not evidence of any long term or cumulative effects. Eye contact will cause irritation.

First Aid : Remove the patient from further exposure and wash contaminated skin with plenty of water and soap. If swallowed, induce vomiting and perform gastric lavage, repeat till the fluid is clear. If eyes contamianted, flush with plenty of water.

Antidote : Perform gastric lavage, taking care to prevent aspiration of gastric contents. Treat symptomatically. Antihistamines may be applied, in case of manifestation of allergic symptoms.

Disposal Of Used Container : The empty containers should never be re-used and should be destroyed and buried in safe place. Dispose off packages or surplus material and washing in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

Storage Conditions : Store in the original container away from food and animal feed in a separate room kept under lock and key. Store in a cool dry, well built and well lit place of sufficient dimensions with good ventilation.

Chemical Composition :

Lambda-cyhalothrin	(a.i)	4.9% w/w
Polyalkylene glycol ether		0.26% w/w
Dodecyl benzene sulphonic acid sodium salt		0.09% w/w
Polymeric fatty ester		0.43% w/w
Sodium lignosulphonate		0.22% w/w
Hydrated aluminium magnesium silicate		1.44% w/w
Tetrasodium pyrophosphate		0.06% w/w
Xanthan gum		0.11% w/w
Titanium dioxide		0.51% w/w
Propylene glycol		0.04% w/w
Polydimethyl siloxane		0.02% w/w
Sulphuric acid		0.2% w/w
1,2-benzisothiazol-3(2H)-one		0.49% w/w
Ammonium hydroxide		0.11% w/w
Aromatic hydrocarbon		2.86% w/w
Polyurea		0.82% w/w
Water		% Q.S.
Total		**100.000% w/w**

Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

English

लेम्बडा-साईहेलोथ्रिन ४.९ प्रतिशत सी. एस.

एजेंट कैप्सूल

कीटनाशक

लेम्बडा-साईहेलोथ्रिन ४.९ प्रतिशत सि. एस. एक कैपस्यूल ससपेन्शन सूत्रीकरण है, जिसके सक्रिय पदार्थ, पानी मे लटके हुए छोटे कैपस्यूलो मे बंद होता है और ये ताबही बाहर निकल आता है जब छिड़काव की बूंद कीट के शरीर पर व पत्ते की सतह पर सूखती है । इस की कपास की सूडियों, धान में तना छेदक व पत्ता मोडक, बैंगन में तना व फल छेदक इल्ली, भिंडी, टमाटर के फल छेदक इल्ली, अंगूर के चुरदा और पिस्सू बीटल ओर मिर्च के चुरदा और फल छेदक इल्ली, नियंत्रण के लिए सिफारिश की जाती है ।

उपयोग :

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (ली)	अनिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिनो में)
		स.तत्व (ग्राम)	संरचना (मिली)		
अंगूर	चुरदा और पिस्सू बीटल	12.5	250	500-1000	7
कपास	सुडियों	25	500	500	21
टमाटर	फल छेदक इल्ली	15.0	300	500	5
धान	पता मोडक, तना छेदक	12.5	250	500	15
बैंगन	तना व फल छेदक इल्ली	15.0	300	500	5
भिंडी	फल छेदक इल्ली	15.0	300	500	5
मिर्च	चुरदा और फल छेदक इल्ली	25	500	500	5

उपयोग के लिए निर्देश : नेपसेक स्प्रेयर या पावर स्प्रेयर को इस्तेमाल करते हुए हाई-वाल्यूम छिड़काव करें ।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां : घोल बनाने और छिड़काव करने के वक्त, त्वचा, आंख और मुहँ को कीटनाशी के सम्पर्क से बचायें । सुरक्षात्मक कपड़े जैसे कि ऐप्रन, दस्तानो, नकाब और गर्म बूट आदि पहन कर ही इसका प्रयोग करे । धूम्रपान, खाने, पीने से परे कीटनाशी से प्रभावित हिस्सो को अच्छी तरह धोएं । हवा या पानी को कीटनाशी से प्रभावित न होने दे ।

विष के लक्षण : सामान्य लक्षण अन्य पायरिथ्राइड जैसे होते है । निगल जाने पर जी मिचलाना, उल्टी, पेट दर्द, दस्त या एलर्जी प्रकाशन जैसे लक्षण उत्पन्न हो सकते है । अधिक मात्रा निगल जाने पर नाड़ी मडंल अशांत हो सकता है जिससे कपकंपी, असंतुलन, हाथ-पांव मे कमजोरी, ऐठन, बेहोशी व श्वास प्रकिया मे कमी के कारण मृत्यु हो सकती है । यदि त्वचा से सम्पर्क हुआ तो झनझनाहट या चेतना शून्यता का अभ्यास पैदा कर सकता है । यह ज्यादातर अज्ञानता मे दूषित हाथो या दस्तानो से चेहरे को छू लेने से होता है । यह प्रभाव अस्थिर होता है । और २४ घंटे से ज्यादा नही ठहरता । इसमे किसी प्रकार के लंबी अवधि या इकटठे असर होने के प्रमाण उपलब्ध नही है । आँखो के सम्पर्क मे आने से जलन हो सकती है ।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को ताजी हवा मे ले जाये । उसके प्रभावित हिस्सो को साबुन और पानी से अच्छी तरह धो डालें । यदि निगल लिया हो तो उल्टी करायें ओर तब तक पेट से सारी दवा निकल न जाये । यदि जरुरत लगे तो गेस्टिंक लैवेज दें । आखें दूषित होने पर खूब पानी से धोएं ।

विष नाशक : गेस्टिंक लैवेज दीजिए और ध्यान रखे कि बाहर जा रहे तत्व उच्छ्वास के साथ अन्दर न जा सके । एलर्जी प्रकाशित होने पर, एन्टीहिस्टेमिन्स का प्रयोग किया जा सकता है । लक्षणानुसार इलाज करें ।

खाली डिब्बों का निपटारा : खाली डिब्बो को दोबारा प्रयोग मे न लायें । उनको अवस्था मे नही रखना चाहिए । बची हुई दवा मशीन के धोवन और खाली डिब्बो का निपटारा सावधानी से करें । जिससे हवा तथा पानी को कीटनाशी से प्रदूषित न होनें दे ।

संग्रहण की शर्तें : इस कीटनाशी को इसके मूल कन्टेंयनर खाने पीने की चीजो और पशुओ के चारे से अलग एंव दूर, कमरे मे ताला लगाकर रखें । जगह सूखी, ठडीं, पर्याप्त आयतन एंव मजबूती से बनी हो ।

रासायनिक संरचना :

लेम्बडा-साईहेलोथ्रिन (स.त.)	४.९% भार/भार
पालीआल्कलयीन ईथर	०.२६% भार/भार
डोडिसईल बैनजीन सलफोनेट का सोडियम लवण	०.०९% भार/भार
पोलिमरिक फैटी एस्टर	०.४३% भार/भार
सोडियम लिग्नोसलफोनेट	०.२२% भार/भार
हायड्रेटेड अल्यूमीनियम मेग्नीशियम सिलिकेट	१.४४% भार/भार
ट्रेटायोडियम पायरोफासफेट	०.०६% भार/भार
जैन्थम गम	०.११% भार/भार
टैटानियम डायाक्साइड	०.५१% भार/भार
प्रापिलीन ग्लईकोल	०.०४% भार/भार
पालीडायमिथाईल सिलोक्झेन	०.०२% भार/भार
सल्फ्यूरीक एसिड	०.२% भार/भार
१, २-बेन्जिसोथयझोलिन	०.४९% भार/भार
अम्मोनियम हाईड्रोक्साइड	०.११% भार/भार
आरोमेटिक हाईड्रोकार्बन	२.८६% भार/भार
पालीयूरिया	०.८२% भार/भार
पानी	पर्याप्त मात्रा% भार/भार
योग	**१००.०००% भार/भार**

चेतावनी : इस लेबल / पत्रिका में निर्देशित किये गये फसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल ना करें ।

Hindi

लैम्बडासायहैलोथ्रीन 4.9 % सी एस

एजंट कॅप्सूल

कीटकनाशक

लैम्बडासायहैलोथ्रीन ४.९% कॅप्सूल सस्पेंशन है एक कॅप्सूल सस्पेंशन मिश्रण आहे ज्यात सक्रिय घटक एका सुटसुटीत पातळ भिंतीच्या कॅप्सूलमध्ये पाण्यात तरंगत ठेवलेले असतात आणि जेव्हा फवाऱ्याचे तुषार लक्षित कीटकांवर आणि पानांच्या पृष्ठभागावर सुकतात तेव्हा मुक्त केले जातात. त्याची शिफारस कपाशीवरील बोंड अळी, भातातील खोड पोखरणारी अळी आणि पाने दुमडणारी अळी, वांग्यातील खोड व फळ पोखरणारी अळी, भेंडी आणि टोमॅटो वरील फळ पोखरणारी अळी, द्राक्षांतील थ्रीप्स आणि फ्ली बीटल आणि मिरचीच्या पीकातील थ्रीप्स आणि फळ पोखरणारी अळी, यांच्या नियंत्रणासाठी केली जाते.

शिफारस:

पीक (के)	कीटकाचे सामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर		पाण्यात सौम्यीकरण (ली)	शेवटची फवारणी आणि कापणीच्या दरम्यान वाट पाहण्याचा कालावधी (दिवसांत)
		स.घ. (ग्रा)	मिश्रण (मिली)		
द्राक्षे	थ्रीप्स आणि फ्ली बीटल	१२.५	२५०	५००-१०००	७
कपाशी	बोंड अळी	२५	५००	५००	२१
टोमॅटो	फळ पोखरणारी अळी	१५.०	३००	५००	५
भात	खोड पोखरणारी अळी, पाने दुमडणारी अळी	१२.५	२५०	५००	१५
वांगी	खोड व फळ पोखरणारी अळी	१५.०	३००	५००	५
भेंडी	फळ पोखरणारी अळी	१५.०	३००	५००	५
मिरची	थ्रीप्स आणि फळ पोखरणारी अळी	२५	५००	५००	५

वापरण्यासाठी निर्देश: वापरण्याची पद्धत आणि फवारणीची उपकरणे: फाइ-मिस्ट नॉझल किंवा मिस्ट ब्लोअर बसवलेल्या नॅपसॅक स्प्रेयरने उच्च राशी फवारा म्हणून वापर करा.

सावधगिरी: मिश्रण तयार करताना आणि फवारणी करताना त्वचा, डोळे आणि तोंडाशी संपर्क टाळा.ॲप्रन, ग्लोवज्, फेस शिल्ड आणि बूट असे संरक्षक कपडे वापरा. खाण्यापूर्वी, पिण्यापूर्वी किंवा धूम्रपानापूर्वी बाधित भाग धुवा. पर्यावरण आणि पाण्याचे प्रदूषण टाळा. फवारा पूर्णपणे सुकेपर्यंत संस्कारित भागाशी संपर्क चाळा.

विषबाधेची लक्षणे: लांब्डा-सायहालोथ्रीन पोटात गेल्यामुळे मळमळ, उलट्या होणे, पोटात दुखणे, अतिसार आणि ॲलर्जिक अविष्कार अशी अविशिष्ट लक्षणे निर्माण होऊ शकतात. मोठी मात्रा पोटात गेली असेल तर, त्यामुळे थरथर, अटाक्षिया, अवयवांची कमजोरी, आंकड्या, कोमा यासहित मज्जासंस्थेत व्यत्यय आणि श्वास गुदमरून मृत्यू होऊ शकतो. त्वचेशी संपर्कामुळे विशिष्ट जागी संवेदना किंवा मुंग्या येणे किंवा चेहऱ्याच्या भागात बधीरपणा येऊ शकतो. हा परिणाम सामान्यपणे दूषीत हात किंवा ग्लोवज मधून चेहऱ्यावर बेसावधपणे हस्तांतरणामुळे होतो. हा परिणाम संक्रमणीय असतो, जो २४ तासांपर्यंत राहतो आणि कोणत्याही दीर्घकालीन किंवा संचयित परिणामांचा पुरावा नाही.

प्रथमोपचार: रुग्णाला आणखी सामोरे जाण्यापासून दूर करा आणि दूषीत त्वचा भरपूर पाणी आणि साबणाने धुवा. गिळले गेल्यास, उलटीला उद्युक्त करा आणि गॅस्ट्रिक लॅव्हेज करा, द्रव पूर्ण बाहेर पडेपर्यंत पुन्हा पुन्हा करा. डोले दूषीत झाले असतील तर, भरपूर पाण्याने हबके मारा.

प्रतिविष: गॅस्ट्रिक घटकांचे श्वासाचून आत जाण्याला प्रतिबंध करण्याची काळजी घेत, गॅस्ट्रिक लॅव्हेज करा. लक्षणांनुसार उपचार करा. ॲलर्जिक लक्षणांचा अविष्कार झाल्यास, ॲटीहिस्टामाइन्स देता येऊ शकेल.

वापरलेल्या कंटेनर्सची विल्हेवाट: १. पॅकेजेस् किंवा अधिकांश सामग्री आणि मशिनम आणि कंटेनरमधील चिंध्या यांची पर्यवरणाच्या किंवा जलप्रदूषणाला प्रतिबंध होईल अशा सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावणे हे उत्पादक, मिश्रक आणि प्रचालक यांचे कर्तव्य असेल. २. वापरलेली पॅकेजेस् त्यांच्या पुनर्वापराला प्रतिबंध होण्यासाठी इतस्तत: फेकू नयेत. ३.पॅकेजसे मोडून तोडून वसाहतीपासून दूर पुरून टाकावीत.

साठवण्याच्या अटी: १. सामग्री असलेली पॅकेजेस् इतर वस्त्,साठवण्यासाठी वापरल्या जाणाऱ्या जागा किंवा खोल्यांपासून दूर एका स्वतंत्र जागी किंवा खोलीत साठवावीत किंवा सामग्रीच्या राशीवर अवलंबून एका स्वतंत्र कुलुपबंद कपाटात ठेवावीत. २. कीटकनाशक साठवण्यासाठी असलेल्या खोल्या किंवा जागा चांगल्या बांधकामाच्या, कोरड्या, भरपूर प्रकाशाच्या आणि खेळती हवा असलेल्या आणि पुरेशा आकारमानाच्या असाव्यात.

रासायनिक रचना:

लैम्बडासायहैलोथ्रीन (स.घ.)	४.९ % भार/भार
पॉलीअल्कलाइन ग्लायकोल इथर	०.२६% भार/भार
डोडेसाइल बेंझीन सल्फोनिक ॲसिड सोडियम सॉल्ट	०.०९% भार/भार
पॉलीमेरीक फॅटी ॲसिड	०.४३% भार/भार
सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	०.२२% भार/भार
हायड्रेटेड ॲल्युमिनियम मॅग्नीशियम सिलीकेट	१.४४% भार/भार
टेत्रासोडियम पायरोफॉस्फेट	०.०६% भार/भार
झांथन गम	०.११% भार/भार
टिटानियम डायॉक्साइड	०.५१% भार/भार
प्रॉपीलीन ग्लायकोल	०.०४% भार/भार
पॉलीडायमेथाइल सिलोक्सेन	०.०२% भार/भार
सल्फ्युरिक ॲसिड	०.२ % भार/भार
१.२-बेंझीसोथियाझोल -३(२एच)-वन	०.४९% भार/भार
अमोनियम हायड्रॉक्साइड	०.११% भार/भार
ॲरोमॅटिक हायड्रोकार्बन	२.८६% भार/भार
पॉलीयुरिया	०.८२% भार/भार
पाणी	पुरेशा प्रमाणात%
एकूण	**१००.०००% भार/भार**

सावधान: या लेबल/माहितीपत्रकात दिलेल्या व्यतिरिक्त अन्य पीकांवर वापरण्यासाठी नाही.

Marathi

લેમ્બડાસાયહેલોથ્રીન ૪.૯% સી. એસ

એજન્ટ કૅપ્સ્યૂલ

જંતુનાશક

લેમ્બડાસાયહેલોથ્રીન ૪.૯% કૅપ્સ્યુલ સસ્પેન્શન એક કૅપ્સ્યુલ સસ્પેન્શન સંયોજન છે, જેમાં સક્રિય તત્ત્વને નાનકડી પાતળી દીવાલ ધરાવતી કૅપ્સ્યુલોમા પાણીમાં સસ્પેન્સ કરીને સીલ કરવામાં આવ્યું છે અને જ્યારે લક્ષિત કીટક અને પાંદડાની સપાટી પરથી સ્પ્રે સુકાઈ જાય ત્યારે જ છૂટે છે. આને કપાસની જીંડવાની ઇયળો, ડાંગરના ગાભમારા અને પાંદડાંને વાળી નાંખતી ઇયળો, રીંગણાંના ડુંખ અને ફળ કોરીખાનાર ઇયળ, ભીંડા અને ટામેટાંમાંના ફળછેદક, દ્રાક્ષમાંના થ્રિપ્સ અને ફ્લી બીટલ તથા મરચાંના પાકમાંના ડાળીઓને કોરી નાંખતાં કીટકોના અને નિયંત્રણ માટે ભલામણ કરવામાં આવે છે.

ભલામણો

પાક (કો)	કીટકનું સામાન્ય નામ	માત્રા/હૅક્ટર		પાણીમાં મંદતા (લી)	અંતિમ છંટકાવ અને લણણી વચ્ચેનો પ્રતિક્ષા-ગાળો (દિવસોમાં)
		સ.ત. (ગ્રામ)	સંરચના (મિલી)		
દ્રાક્ષ	થ્રિપ્સ અને ફ્લી બીટલ	૧૨.૫	૨૫૦	૫૦૦-૧૦૦૦	૭
કપાસ	જીંડવાની ઇયળ	૨૫	૫૦૦	૫૦૦	૨૧
ટામેટાં	ફળ કોરનાર ઇયળ	૧૫.૦	૩૦૦	૫૦૦	૫
ડાંગર	ગાભમારા અને કોરીખાનાર ઇયળ	૧૨.૫	૨૫૦	૫૦૦	૧૫
રીંગણા	ડુંગ અને ફળ કોરીખાનાર ઇયળ	૧૫.૦	૩૦૦	૫૦૦	૫
ભીંડા	ફળ કોરીખાનાર ઇયળ	૧૫.૦	૩૦૦	૫૦૦	૫
મરચાં	થ્રીપ્સ અને ફળ કોરીખાનાર ઇયળ	૨૫	૫૦૦	૫૦૦	૫

વપરાશ સંબંધિત માર્ગદર્શન : છંટકાવની રીત ને છંટકાવ કરવાનું ઉપકરણ: ફાઇન–મિસ્ટ નૉઝલ અથવા મિસ્ટ બ્લોહર બેસાડેલા નેપસેક સ્પ્રેયર સાથે હાઇટ વૉલ્યુમ સ્પ્રે તરીકે છંટકાવ કરો.

સાવધાનીઃ ભેળવતી અને છંટકાવ કરતી વખતે ત્વચા, આંખો અને મોં સાથેનો સંપર્ક ટાળો. સુરક્ષા આપતાં કપડાં જેવાં કે ઍપ્રન, હાથમોજાં, મોં પર બુકાની અને બૂટ પહેરો. ખાતાં, પીતાં અને ધૂમ્રપાન કરતા પહેલાં દુષિત ભાગ ધોઈ નાંખો. પર્યાવરણ અને પાણીનું પ્રદુષણ ટાળો.

ઝેર ચઢવાનાં લક્ષણોઃ લેમ્બડાસાયહેલોથ્રીન જો પેટમાં જાય તો અસ્પષ્ટ ચિહ્નો દર્શાવે છે જેવાં કે ઉબકા, ઊલટી, પેટમાં દુઃખાવો, ઝાડા અને ઍલર્જીનાં લક્ષણો. જો વધારે પ્રમાણમાં પેટમાં જાય તો નર્વસ સિસ્ટમમાં વિક્ષેપનું કારણ બની શકે છે અને સાથે ધ્રૂજારી, પ્રશાંતતા, ગંઠિઓમાં નબળાઈ, ખેંચ આવવી, બેહોશી અને શ્વસનતંત્રમાં દબાણ આવવાથી મૃત્યુ થઈ શકે છે. ત્વચા સાથેનો સંપર્ક વ્યક્તિગત સંવેદના અથવા ઝણઝણાટી માટેનું કારણ બની શકે છે. આ અસર સામાન્ય રીતે હાથ અથવા હાથમોજાં અજાણતાં ચહેરાને લાગી જવાને કારણે પરિણમી શકે છે. આ અસર અસ્થાઇ છે અને ૨૪ કલાક સુધી રહે છે અને એની લાંબા ગાળાની અથવા સંચિત અસરોનો કોઈ પુરાવો નથી. આંખમાં જવાથી બળતરા થશે.

પ્રાથમિક ઉપચારઃ દરદીને દૂર લઈ જાઓ અને ખરડાયેલી ત્વચાને પુષ્કળ પાણી અને સાબુ વડે ધોઈ નાંખો. જો પેટમાં જાય તો ઊલટી કરાવડાવો અને ગૅસ્ટ્રિક લવાજ આપ્યા દ્વારા પેટમાંનું ઝેર બહાર કાઢો. જો આંખમાં જાય તો પુષ્કળ પાણી વડે આંખોમાં છાલક મારો.

ઝેરનું મારણઃ ગૅસ્ટ્રિકના કન્ટેન્ટ્સના ચૂષણના અટકાયતની કાળજી લઈને ગૅસ્ટ્રિક લવાજ આપો. લક્ષણો અનુસાર સારવાર કરો. ઍલર્જીના લક્ષણો દેખાય તો ઍન્ટીહિસ્ટામિન્સ આપી શકાય.

વાપરેલા ડબ્બાઓનો નિકાલઃ ખાલી ડબ્બાઓનો ક્દાપિ ફરી વાર ઉપયોગ ના કરવો અને એને એમે સલામત સ્થળે જઇને દાટી દેવા. પૅકેજો અને વધેલા મટીરિયલ તથા ધોવાણનો નિકાલ એવી સલામત રીતે કરવો કે જેથી પર્યાવરણ અને પાણી પ્રદુષિત ના થાય.

સંગ્રહ કરવાની પરિસ્થિતિ : અસલ પૅકેજમાં ખાદ્યપદાર્થો અને પશુઓના ચારાથી દૂર અલગ જ ઓરડામાં અને તાળુંચાવી વાસીને રાખો. આને ઠંડી, સૂકી, મજબૂત, હવાઉજાસવાળી અને પૂરતી મોકળી જગ્યામાં રાખો.

રાસાયણિક સંયોજનઃ

લેમ્બડાસાયહેલોથ્રીન (સ.ત.)	૪.૯% વ/વ
પૉલીઆલ્કલાઇન ગ્લાયકોલ ઇથર	૦.૨૬% વ/વ
ડોડેસીલ બેન્ઝીન સલ્ફોનિક ઍસિડ સોડિયમ સૉલ્ટ	૦.૦૯% વ/વ
પૉલીમેરિક ફૅટી ઍસિડ	૦.૪૩% વ/વ
સોડિયમ લિગ્નોસલ્ફેટ	૦.૨૨% વ/વ
હાઇડ્રોટેડ ઍલ્યુમિનિયમ મૅગ્નેશિયમ સિલિકેટ	૧.૪૪% વ/વ
ટેટ્રાસોડિયમ પાયરોફોસ્ફેટ	૦.૦૬% વ/વ
ઝેન્થમ ગમ	૦.૧૧% વ/વ
ટિટાનિયમ ડાયોક્સાઇડ	૦.૫૧% વ/વ
પ્રોપીલીન ગ્લાયકોલ	૦.૦૪% વ/વ
પૉલીડાયમીથાઇલ સિલોક્સેન	૦.૦૨% વ/વ
સલ્ફ્યુરિક ઍસિડ	૦.૨% વ/વ
૧,૨-બેન્ઝિઝોથિઝોલ - ૩ (૨એચ) - ઑન	૦.૪૯% વ/વ
અમોનિયમ હાઇડ્રોક્સાઇડ	૦.૧૧% વ/વ
ઍરોમેટિક હાઇડ્રોકાર્બન	૨.૮૬% વ/વ
પૉલીયુરિયા	૦.૮૨% વ/વ
પાણી	% પૂરતા પ્રમાણમાં
કુલ	**૧૦૦.૦૦૦% વ/વ**

આ પત્રિકા/પુસ્તિકામાં જણાવેલા પાકો સિવાય અન્ય પાકો પર ઉપયોગ કરશો નહીં.

Gujarati

ਲੰਬਦਾ ਸਾਇਹਾਲੋਥ੍ਰਿਨ ੪.੯% ਸੀ. ਐਸ.

ਏਜੰਟ ਕੈਪਸੂਲ

ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ

ਲੰਬਦਾ ਸਾਇਹਾਲੋਥ੍ਰਿਨ ੪.੯% ਸੀ. ਐਸ. ਇੱਕ ਕੈਪਸੂਲ ਸਸਪੇਂਸ਼ਨ ਸੂਤਰੀਕਰਣ ਹੈ, ਜਿਸਦੇ ਕ੍ਰੀਆਸ਼ੀਲ ਪਦਾਰਥ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਲਟਕੇ ਹੋਏ ਛੋਟੇ ਕੈਪਸੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਬੰਦ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਤਦੋਂ ਹੀ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲ ਆਂਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਛਿੜਕਾਅ ਦੀ ਬੂੰਦ ਕੀੜੇ ਦੇ ਸ਼ਰੀਰ ਤੇ ਅਤੇ ਪੱਤੇ ਦੀ ਸਤਹਿ ਤੇ ਸੁੱਕਦੀ ਹੈ । ਇਸਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ ਕਪਾਹ ਤੇ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਡੋਡੇ ਦੀਆਂ ਸੁੰਡੀਆਂ, ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਤਨਾ ਛੇਦਕ ਅਤੇ ਪੱਤਾ ਮੋੜਕ, ਵਰਤਾਂਊ ਦੇ ਤਨਾ ਅਤੇ ਫ਼ਲ ਛੇਦਕ ਇੱਲੀ, ਭਿੰਡੀ ਅਤੇ ਟਮਾਟਰ ਤੇ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਫ਼ਲ ਛੇਦਕ ਇੱਲੀ, ਸੌਗਾਬੀਨ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਤੇ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਤਨਾ ਮੱਖੀ ਅਤੇ ਸੋਮੀ ਲੂਪਰ ਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਲਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ਾਂ :

ਫ਼ਸਲ	ਕੀਟ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਖੁਰਾਕ ਪ੍ਰਤਿ ਹੇਕਟਰ		ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ (ਲੀ.)	ਅੰਤਿਮ ਛਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅੰਤਰਾਲ (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)
		ਏ. ਆਈ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਸੂਰਤੀਕਰਣ (ਮਿ.ਲੀ.)		
ਅੰਗੂਰ	ਥੁਰਦਾ ਅਤੇ ਪਿੱਸੂ ਬੀਟਲ	੧੨.੫	੨੫੦	੫੦੦-੧੦੦੦	੭
ਕਪਾਹ	ਡੋਡੇ ਦੀਆਂ ਸੁੰਡੀਆਂ	੨੫	੫੦੦	੫੦੦	੨੧
ਟਮਾਟਰਓ	ਫ਼ਲ ਛੇਦਕ ਇੱਲੀ	੧੫.੦	੩੦੦	੫੦੦	੫
ਝੋਨਾ	ਤਨਾ ਛੇਦਕ ਅਤੇ ਪੱਤਾ ਮੋੜਕ	੧੨.੫	੨੫੦	੫੦੦	੧੫
ਵਰਾਂਊ	ਤਨਾ ਅਤੇ ਫ਼ਲ ਛੇਦਕ ਇੱਲੀ	੧੫.੦	੩੦੦	੫੦੦	੫
ਭਿੰਡੀ	ਫ਼ਲ ਛੇਦਕ ਇੱਲੀ	੧੫.੦	੩੦੦	੫੦੦	੫
ਮਿਰਚ	ਥੁਰਦਾ ਅਤੇ ਫ਼ਲ ਛੇਦਕ ਇੱਲੀ	੨੫	੫੦੦	੫੦੦	੫

ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਲਈ ਨਿਰਦੇਸ਼ : ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਉਪਕਰਣ : ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਜਾਂ ਪਾਵਰ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਹਾਈ – ਵॉਲਯੂਮ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ਮਿਲਾਂਦੇ ਅਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਦੇ ਵੇਲੇ ਰੂਚਾ, ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਮੁੰਹ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ। ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਕਪੜੇ ਪਾਓ ਜਿਵੇਂ ਐਪਰਨ, ਦਸਤਾਨੇ, ਫੇਸ ਸ਼ੀਲਡ ਅਤੇ ਬੂਟ ਵਗੈਰਾ। ਖਾਣ, ਪੀਣ ਜਾਂ ਸਿਗਰਟ ਪੀਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹਿੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਧੋ ਲਓ। ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਨਾਲ ਦੂਸ਼ਿਤ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਛਿੜਕਾਅ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕ ਨਾ ਜਾਏ ਉਪਚਾਰਿਤ ਖੇਤਰ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ : ਲੰਬਦਾ – ਸਾਇਹਾਲੋਥ੍ਰਿਨ ਨੂੰ ਨਿਗਲ ਲੀਤੇ ਜਾਣ ਤੇ ਸਾਧਾਰਣ ਤੌਰ ਤੇ ਕੁਝ ਲੱਛਣ ਉਤਪਮੱਨ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਮਤਲੀ, ਉਲਟੀ, ਪੇਡੂ ਪੀੜ, ਦਸਤ ਅਤੇ ਐਲਰਜਿਕ ਸੈਨੀਫੈਸਟੇਸ਼ਨ । ਜੇਕਰ ਵੱਡੀ ਖੁਰਾਕ ਨਿਗਲ ਲੀਤੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਤੰਤੂ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਵਿੱਚ ਗੜਬੜੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਿਸਦੇ ਨਾਲ ਕੰਬਨੀ, ਅਸੰਤੁਲਨ, ਹੱਥਾਂ ਪੈਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕਮਜੋਰੀ, ਮਰੋੜੀ, ਬੇਹੋਸ਼ੀ ਅਤੇ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਮੌਤ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਰੂਚਾ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਝਨਝਨਾਹਟ, ਚੇਤਨਾ ਦੀ ਕਮੀ ਜਾਂ ਸੁੰਨਤਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਗਲਤੀ ਨਾਲ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੱਥਾਂ ਜਾਂ ਦਸਤਾਨਿਆਂ ਨਾਲ ਚਿਹਰੇ ਨੂੰ ਛੂ ਲੈਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਪ੍ਰਭਾਵ ਅਸਥਿਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਅਤੇ ੨੪ ਘੰਟੇ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ